केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 183 मंगलवार 23 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

पूरी हुई प्रतीक्षा, अपने धाम विराजे मर्यादा के राम

संवाददाता– अयोध्या । 500 साल पहले करोड़ों हिंदुओं के लिए जो इंतजार और संघर्ष आरंभ हुआ था वह 22 जनवरी 2024 को 84 सेकेंड के अभिजीत मुहूर्त में पूरा हुआ। सोमवार को अयोध्या के राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। पीएम मोदी ने देश को संबोधित करते हुए जहां एक तरफ इस ऐतिहासिक क्षण का महत्व बताया तो उन्होंने रामलला से माफी भी मांगी। उन्होंने उनके मंदिर निर्माण में लगे समय को लेकर क्षमा याचना की।

पीएम मोदी ने कहा, 'आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। आज से हजार साल बाद भी लोग आज की इस तारीख की, आज के इस पल की चर्चा करेंगे। ये कितनी बड़ी रामकृपा है कि हम इस पल को जी रहे हैं, इसे साक्षात घटित होते देख रहे हैं।' पीएम मोदी ने राममंदिर के लिए 500 सालों तक चले इतंजार के लिए रामलला से क्षमा याचना की। उन्होंने कहा, 'मैं आज प्रभु श्रीराम से क्षमा याचना भी करता हूं। हमारे पुरुषार्थ, हमारे त्याग, तपस्या में कुछ तो कमी रह गयी होगी कि हम इतनी सदियों तक ये कार्य नहीं कर पाए। आज वो कमी पूरी हुई है। मुझे विश्वास है, प्रभु राम आज हमें अवश्य क्षमा करेंगे।'

पीएम मोदी ने प्रतीक्षा की पीड़ा और इसके समाप्त होने की खुशी को जाहिर करते हुए कहा, श्प्रभु का आगमन देखकर ही सब अयोध्यावासी, समग्र देशवासी हर्ष से भर गए। लंबे वियोग से जो विपत्ति आई थी, उसका अंत हो गया। उस कालखंड में वो वियोग तो केवल 14 वर्षों का था, तब भी इतना असह्य था। इस युग में तो अयोध्या और देशवासियों ने सैकड़ों वर्षों का वियोग सहा है। हमारी कई–कई पीढ़ियों ने वियोग सहा है।श

पीएम मोदी ने रामदिर के पक्ष में फैसला देने के लिए न्यायपालिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का, जिसने न्याय की लाज रख ली। न्याय के पर्याय प्रभु राम का मंदिर भी न्यायबद्ध तरीके से ही बना।श पीएम ने कहा कि हमारे लिए ये अवसर सिर्फ विजय का नहीं, विनय का भी है।

पीएम मोदी ने कहा, 'वो भी एक समय था, जब कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता को नहीं जान पाए। रामलला के इस मंदिर का निर्माण, भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। हम देख रहे हैं, ये निर्माण किसी आग को नहीं, बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। ये मंदिर, मात्र एक देव मंदिर नहीं है। ये भारत की दृष्टि का, भारत के दर्शन का, भारत के दिग्दर्शन का मंदिर है। ये राम के रूप में राष्ट्र चेतना का मंदिर है। राम भारत की आस्था हैं, राम भारत का आधार हैं। राम भारत का विचार हैं, राम भारत का विधान हैं। राम भारत की चेतना हैं, राम भारत का चिंतन हैं। राम भारत की प्रतिष्ठा हैं, राम भारत का प्रताप हैं। राम प्रवाह हैं, राम प्रभाव हैं। राम नेति भी हैं। राम नीति भी हैं।राम नित्यता भी हैं। राम निरंतरता भी हैं। राम विभु हैं, विशद हैं। राम व्यापक हैं, विश्व हैं, विश्वात्मा हैं।

राम मंदिर से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'हम देख रहे हैं कि राम मंदिर का निर्माण किसी आग को नहीं, बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। राम मंदिर समाज के हर वर्ग को उज्ज्वल भविष्य के पथ पर प्रेरणा लेकर आया है। मैं आज उन लोगों से आह्वान करूंगा कि आइए आप महसूस कीजिए और सोच पर पुनर्विचार कीजिए कि राम आग नहीं हैं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं हैं, राम सबके हैं। राम वर्तमान ही नहीं, बल्कि राम अनंतकाल हैं। आज जिस तरह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन से पूरा विश्व जुड़ा है, उसमें राम की सर्व व्यापकता के दर्शन हो रहे हैं। जैसा उत्सव भारत में है, वैसा ही अनेक देशों में है। आज अयोध्या का यह उत्सव रामायण की वैश्विक परंपराओं का भी उत्सव बना है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। अब वे टेंट में नहीं रहेंगे, बल्कि भव्य मंदिर में रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि 22 जनवरी 2024 का यह सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है और यह एक नए कालचक्र का उद्गम है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। आज हमारे राम आ गए हैं ।

राम भक्ति में सराबोर हुआ बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी के संयोजन में सोमवार को प्रभु श्री राम आगमन के अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय प्रभु राम संकीर्तन और सुंदरकांड पाठ से भक्तिमय हो गया। इसके साथ कार्यालय में 11सौ दीप प्रज्वलित कर प्रभु श्रीराम का भजन किया गया, इसके साथ ही कार्यालय में बेसिक शिक्षा परिवार की आशा त्रिपाठी के साथ सूर्य कांत मणि त्रिपाठी द्वारा विधिवत पूजन कर कार्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिकों के द्वारा सुंदरकांड पाठी महीधार प्रसाद द्विवेदी के संकीर्तन टीम द्वारा सुंदर कांण्ड का संगीत मयी पाठ हुआ। इसके साथ में शिक्षा क्षेत्र बहादुरपुर के ए0आर0पी0 की टीम के साथ साऊंघाट के वरिष्ठ ए0आर 0पी0 राकेश कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ लिपिक संतोष कुमार गुप्ता ,ए0आर0पी0 जिलाध्यक्ष सूर्य प्रकाश शुक्ला, जय प्रकाश श्रीवास्तव, अंबिका प्रसाद पाण्डेय, मनोज कुमार उपाध्याय, संजय कुमार सिंह, अनिल पाण्डेय, रागिनी त्रिपाठी ,चित्रा शुक्ला, रमेश पाण्डेय, दिव्यांश ,आशीष श्रीवास्तव, कुलदीप सिंह ,सुनील तिवारी , पवन कुमार ,संजय कुमार वर्मा ,महेंद्र कुमार ,महीधार प्रसाद द्विवेदी ,जगदीश प्रसाद, राम भवन वर्मा अकरम हुसैन, अवधेश कुमार,राम मूर्ति, आशु, श्यामनारायण के साथ बड़ी संख्या में भक्त जनों ने प्रसाद ग्रहण किया।

–दीप प्रज्ज्वलित कर किया श्रीराम धुन पर संकीर्तन

राहुल गांधी को मंदिर में जाने से रोके जाने पर भड़के कांग्रेसी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश सचिव नोमान अहमद के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों ने गांधी कला भवन स्थित बापू प्रतिमा के समक्ष बैठकर कांग्रेस की न्याय यात्रा में बांधा पहुंचाये जाने, राहुल गांधी को असम के मंदिर में जाने से रोकने की कड़े शब्दों में निन्दा की गई। इसके साथ ही राष्ट्रपति को सम्बोधित 3 सूत्रीय ज्ञापन रजिस्टर्ड भेजने का निर्णय लिया गया।

कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एवं बस्ती जनपद के प्रभारी दिलीप निषाद के दिशा निर्देश पर किये गये विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता नोमान अहमद ने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी के साथ अनेकों कांग्रेस नेता असम में न्याय यात्रा निकले हैं। असम में उनकी यात्रा पर भारतीय जनता पार्टी के अराजक गुण्डा तत्वों द्वारा हमला कर पोस्टर फाड़े गये और वाहनों को नुकसान पहुंचाया करने वालों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई करने, न्याय यात्रा के सुरक्षा का पूर्ण प्रबन्ध किये जाने, राहुल गांधी को मंदिर में जाने से रोकने के मामले की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई किये जाने आदि की मांग शामिल है।

बापू प्रतिमा के समक्ष विरोध दर्ज कराने वालों में मुख्य रूप से अरूण कुमार पाण्डेय, उदयराम यादव, आशीष श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, सुल्तान, रवि तिवारी, भरत कुमार के साथ ही अनेक कांग्रेस नेता शामिल रहे।

–राष्ट्रपति को भेजा 3 सूत्रीय ज्ञापन

गया। यह घटना लोकतंत्र के लिये दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है। यात्रा में बाधा पहुंचायी जा रही है। कांग्रेस नेता बबिता शुक्ला ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब असम के नगांव जिले में पहुंची तो नगांव जिले में ही असम के वैष्णव संत शंकरदेव का जन्मस्थान बर्दोवा स्थित मंदिर में जाने से रोका गया जिसे रोक दिया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कांग्रेस की न्याय यात्रा पर हमला

बस्ती में जीवन्त हुआ त्रेतायुगः मंदिरों पर अनुष्ठान, मनी दीपावली, जगह–जगह भण्डारे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भगवान श्री राम अपने महल में विराजे तो पूरे देश में खुशियों की लहर उठ रही है। त्रेतायुग में भगवान श्री राम के लंका के विजय के पश्चात अयोध्या आगमन पर दीपावली मनाई गई थी। सोमवार को बस्ती जिले में यह उत्साह देखकर त्रेतायुग की याद आना स्वाभाविक है। लोगों के मुख से भी जय श्री राम का अभिवादन स्वयं ही प्रचलित हो गया। वाहनों पर श्री राम के भगवा झंडे लगे दिख रहे। लोगों ने घरों दुकान संस्थान में भी भगवा ध्वज लहराया पूरा माहौल भगवा में रंगा दिख रहा है। सामाजिक संस्थाओं ने भी प्राण प्रतिष्ठा के वक्त भगवान राम की पूजा अर्चना की। जगह जगह भंडारे आरू प्रसाद वितरण किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा 14 जनवरी से स्वच्छता अभियान चलाकर मन्दिरो की सफाई की जा रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जिले भर में छोटे बड़े मिलाकर लगभग चार सौ मन्दिरो पर रामचरितमानस, हनुमान चालीसा, भजन, कीर्तन का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में तिलकपुर मन्दिर पर भाजपा सांसद हरीश द्विवेदी द्वारा केंद्रीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमे मन्दिर परिसर में यज्ञ आहुति दी गई, उसके बाद सजीव प्रसारण के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम देखा गया। उसके बाद राम जी की आरती हुई और कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद हरीश द्विवेदी जिला प्रभारी समीर सिंह जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र द्वारा किया गया। प्रसिद्ध भजन गायक कमाल खान, ज्योति शर्मा और आकांक्षा सिंह ने राम नाम के भजन गाकर श्रोताओं को मन्धमुग्ध कर दिया। इस दौरान विशाल भण्डारे का भी आयोजन हुआ।

सांसद हरीश द्विवेदी ने कहाँ 500 वर्षों से अधिक का इंतजार खत्म होने के साथ ही अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हो गई है। रामलला राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गए हैं। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के इस बेहद ही खास मौके पर देश–दुनिया में जश्न का माहौल है। देश और दुनिया में दिवाली मनाई जा रही है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहां यह युग ही बहुत महान है क्योंकि लंबे संघर्षों के बाद हम इस अद्भुद क्षण के साक्षी बने है। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जिले भर के मन्दिरो पर भजन कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इस समय पूरी दुनिया दीवाली मना रही है। शाम को घर घर दीप प्रज्वलित किये जायेंगे। 22 जनवरी की यह दिवाली इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई। मंदिरों में अखंड मानस पाठ तो कहीं आज भी जारी है हनुमान चालीसा। जगह जगह भंडारा प्रसाद का वितरण भी हुआ। इस मौके पर राम श्रृंगार ओझा, अनिल दुबे, जटाशंकर शुक्ल, गौरव मणि त्रिपाठी, धर्मेन्द्र जायसवाल, आकाश शुक्ल, राजेश पाल चौधरी, अमृत कुमार वर्मा, अनूप खरे, प्रमोद पाण्डेय, जगदीश शुक्ल, नीरज प्रजापति, दुष्यन्त सिंह, अभिषेक कुमार, आलोक पाण्डेय, पंकज श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, भानु प्रकाश मिश्र, गौरव पाल सहित सैकड़ों संख्या में भक्त मौजूद रहे।

सनातन धर्म संस्था और नगर पालिका से संयुक्त तत्वावधान में प्रभु श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया । शोभा यात्रा का शुभारंभ शिव मंदिर कंपनी बाग बस्ती से किया गया। शोभायात्रा में भजन मंडली के वाहन, राम दरबार का शोभनीय रथ यात्रा के आकर्षण का केंद्र था। यात्रा में भिन्न भिन्न स्थान पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

आतिशबाजी और जय श्री राम के उद्घोष ने समूचे वातावरण को राम मय कर दिया। यात्रा का समापन गायत्री मंदिर परिसर में हुआ जहां सामूहिक रूप से सजीव झांकी की आरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यात्रा में मुख्य रूप से नगर पालिका ई0 ओ0 सतेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्षा नेहा वर्मा, अंकूर वर्मा, सुशील मिश्र, कर्नल के सी मिश्र, कैलाश नाथ दूबे, रमेश सिंह, , गोपेश्वर त्रिपाठी, अतुल चित्रगुप्त, उपेंद्र चौधरी, भूपेंद्र चौधरी, शुभम यादव, मुक्तेश्वर, अमित श्रीवास्तव, गिरीश सिंह, गणेश सिंह, अखिलेश दूबे,पंकज त्रिपाठी सहित सैकड़ों राम भक्त सम्मिलित रहे।।

श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा पर राजभवन तक पहुंची शोभा यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता विचारक जनेश्वर मिश्र को उनकी 14वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया। सोमवार को सपा कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी आन्दोलन के योद्धा जनेश्वर मिश्र का योगदान वैचारिक दृढ़ता के रूप में हमारे सामने है। डॉ. लोहिया के विचारों को आत्मसात कर छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र ने तमाम युवाओं को समाजवादी संघर्ष व विचार से जोड़ा और राजनीतिक सक्रियता प्रदान की। कहा कि युवा पीढी जनेश्वर मिश्र के विचारों से प्रेरणा ले और आगामी लोकसभा के चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिये पूरी ताकत से जुट जाय।

सपा विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया के विचारों के लिए संघर्ष करने वाले लोक बंधु राज नारायण को भी जनेश्वर मिश्र अपना नेता मानते थे। प्रखर वक्ता जनेश्वर मिश्र उर्फ छोटे लोहिया समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला थे। विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, पूर्व राज्यमंत्री श्रीपति सिंह, समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, देवेन्द्र श्रीवास्तव, अरविन्द सोनकर आदि ने जनेश्वर मिश्र के योगदान को रेखांकित करते हुये कहा कि वह कार्यकर्ताओं और साथियों को सम्मान देने में सदा आगे रहे। छोटे लोहिया का स्पष्ट कहना था कि मुद्दे जनसंपर्क व संघर्ष से बनते हैं। छोटे लोहिया आज हमारे बीच नहीं है, उनके विचार व संघर्ष समाजवादी विचारों पर चिंतन करने वालों, राजनीति करने वालों के लिए सदैव प्रेरक रहेंगे। छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र को उनके पुण्य तिथि पर याद करने वालों में अरविन्द यादव, विजय विक्रम आर्य, युनुस आलम, संजय गौतम, प्रशान्त यादव, धीरसेन निषाद, देवेन्द्र चौधरी, रजनीश यादव, राजू सिंह, बब्बन चौधरी, तूफानी यादव, शेख सलाउद्दीन, श्याम सुन्दर यादव, प्रमोद यादव, अजय दूबे, जितेन्द्र पाल, अनवर जमाल, रतन बाबा, गौरीशंकर यादव, रामवृक्ष यादव, अरूण मिश्र, रमेश गौतम, फूलचंद भारती, रितिक कुमार, विनय यादव, पवन मोदनवाल, अजय यादव, राहुल सोनकर, रामभवन यादव, मो. सलीम आदि शामिल रहे।

–'राममय हुई वशिष्ठ नगरी' कार्यक्रम के विजेता पुरस्कृतः खिले चेहरे

पुण्य तिथि पर याद किये गये प्रखर समाजवादी जनेश्वर मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता विचारक जनेश्वर मिश्र को उनकी 14वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया। सोमवार को सपा कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी आन्दोलन के योद्धा जनेश्वर मिश्र का योगदान वैचारिक दृढ़ता के रूप में हमारे सामने है। डॉ. लोहिया के विचारों को आत्मसात कर छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र ने तमाम युवाओं को समाजवादी संघर्ष व विचार से जोड़ा और राजनीतिक सक्रियता प्रदान की। कहा कि युवा पीढी जनेश्वर मिश्र के विचारों से प्रेरणा ले और आगामी लोकसभा के चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिये पूरी ताकत से जुट जाय।

सपा विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया के विचारों के लिए संघर्ष करने वाले लोक बंधु राज नारायण को भी जनेश्वर मिश्र अपना नेता मानते थे। प्रखर वक्ता जनेश्वर मिश्र उर्फ छोटे लोहिया समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला थे। विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, पूर्व राज्यमंत्री श्रीपति सिंह, समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, देवेन्द्र श्रीवास्तव, अरविन्द सोनकर आदि ने जनेश्वर मिश्र के योगदान को रेखांकित करते हुये कहा कि वह कार्यकर्ताओं और साथियों को सम्मान देने में सदा आगे रहे। छोटे लोहिया का स्पष्ट कहना था कि मुद्दे जनसंपर्क व संघर्ष से बनते हैं। छोटे लोहिया आज हमारे बीच नहीं है, उनके विचार व संघर्ष समाजवादी विचारों पर चिंतन करने वालों, राजनीति करने वालों के लिए सदैव प्रेरक रहेंगे।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र को उनके पुण्य तिथि पर याद करने वालों में अरविन्द यादव, विजय विक्रम आर्य, युनुस आलम, संजय गौतम, प्रशान्त यादव, धीरसेन निषाद, देवेन्द्र चौधरी, रजनीश यादव, राजू सिंह, बब्बन चौधरी, तूफानी यादव, शेख सलाउद्दीन, श्याम सुन्दर यादव, प्रमोद यादव, अजय दूबे, जितेन्द्र पाल, अनवर जमाल, रतन बाबा, गौरीशंकर यादव, रामवृक्ष यादव, अरूण मिश्र, रमेश गौतम, फूलचंद भारती, रितिक कुमार, विनय यादव, पवन मोदनवाल, अजय यादव, राहुल सोनकर, रामभवन यादव, मो. सलीम आदि शामिल रहे।

–समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला थे जनेश्वर मिश्र–महेन्द्रनाथ यादव

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 23 जनवरी 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

अयोध्या की देश व्यापी गूंज

क्या अयोध्या में राम मंदिर का राजनीतिक अर्थशास्त्र बंटवारे की राजनीति करने वालों पर बहुत भारी पडने वाला है? राम मंदिर भारत को एकता के धागे में पिरोने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसके दूरगामी परिणाम अभी भाजपा विरोधी दल और उनके नेतृत्व कर्ता देख और समझ नहीं पा रहे हैं। राम मन्दिर निर्माण भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक सबलीकरण करने के साथ—साथ भारत के सतत विकास के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की योजना है। इसे रामायण सर्किट के विस्तार की योजना के साथ जोड़ कर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश से लेकर तमिलनाडु, तेलंगाना और केरल को भी प्रभावित करने की रणनीति का अभी कोई तोड़ नजर नहीं आता है।

भाजपा के साथ विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और उससे जुड़े अनुषांगिक संगठनों ने अयोध्या में राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन को राष्ट्रव्यापी ही नहीं बल्कि विश्व भर में एक पर्व के रूप में स्थापित कर दिया है। पूरे भारत के गांव, गली—मोहल्लों, बाजारों, कार्यस्थलों में अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा आयोजन और जुड़ी गतिविधियों की धूम मची हुई है। पूजित अक्षत के माध्यम से हर घर में निमंत्रण भेज कर बहुत ही सधे तरीके से भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले घर—घर तक प्रवेश कर गई है। पूजा में रखे अक्षत और प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को कम से कम पांच दीये जलाने की योजना ने भावनात्मक रूप से बहुसंख्य लोगों को जोड़ लिया है। घरों की छत, बाजार, सार्वजनिक वाहन सहित अधिकतर स्थानों पर राम पताका और ध्वज फहरा रहे हैं।

श्री राम से संबंधित पुस्तकों, राम चरित मानस, राम के चित्रों की मांग और बिक्री ने नए कीर्तिमान स्थापित कर डाले हैं। विपक्ष के इंडिया गठबंधन, कांग्रेस सहित सभी एन.डी.ए. विरोधी हैरान परेशान हैं। प्राण—प्रतिष्ठा आयोजन का विरोध करें तो हिंदू नवचेतना से प्रेरित बहुसंख्यक वोट बैंक को खो देने का खतरा है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कांग्रेस को गलती करने पर मजबूर कर रहा है। जैसे ही राहुल गांधी ने राम मंदिर और प्राण—प्रतिष्ठा को राजनीति कहा, भाजपा ने प्रचारित कर दिया कि कांग्रेस राम और हिंदू विरोधी थी और है। साथ ही बीजेपी नेतृत्व साफ कह रहा है कि राम मंदिर का निर्माण उनका चुनाव में किया गया वायदा है, जिसे पूर्ण किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गरीबों, सुदूर वनवासियों और वंचितों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार की उत्थान और आर्थिक सबलीकरण योजनाओं से मिलने वाली खुशी को अयोध्या में प्राण—प्रतिष्ठा समान खुशी देने वाला बताया है। उधर अयोध्या में प्राण—प्रतिष्ठा की तैयारियों के दौरान ही उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब की बार 400 पार का नारा देकर भाजपा के इरादों को स्पष्ट कर दिया है। योगी आदित्यनाथ उस गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं, जिसकी राम जन्म भूमि मुक्ति में बड़ी भूमिका रही है।

योगी कहते हैं कि लम्बे काल खंड से उपेक्षा की शिकार सप्त पुरियों में एक अयोध्या प्रथम पुरी के रूप में अपने आभा मंडल के साथ देश प्रदेश और दुनिया को आकघषत कर रही है। राम कभी पुष्पक विमान से यहां उतरे थे, अब अयोध्या को वायुयान, सड़क और रेल मार्ग से जोड़ दिया गया है, आने वाले समय में जल मार्ग से भी जोड़ दिया जाएगा। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी रामायण सर्किट योजना में भी अयोध्या केंद्र में है। रामायण सर्किट योजना के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने 9 राज्यों के 15 स्थानों की पहचान की है। इस योजना के तहत इन सभी शहरों को रेल, सड़क और हवाई यात्रा के माध्यम से आपस में जोड़ा जाएगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक रामायण सघ्कट में आने वाले राज्य हैं। यू.पी. के अयोध्या, शृंगवेरपुर, नंदीग्राम और चित्रकूट, बिहार के सीतामढ़ी, बक्सर, दरभंगा इस प्रोजैक्ट का हिस्सा हैं। मध्य प्रदेश के चित्रकूट, छत्तीसगढ़ के जगदलपुर को भी इसमें शामिल किया गया है। ओडिशा के महेंद्रगिरि और दक्षिण राज्यों में तेलंगाना के भद्राचलन, तमिलनाडु के रामेश्वरम और कर्नाटक के हम्पी को रामायण सर्किट परियोजना का हिस्सा बनाया गया है। महाराष्ट्र के नागपुर और नासिक शहर भी इसमें शामिल हैं। कुल मिलाकर पूरब से लेकर दक्षिण तक सभी राज्यों को इस प्रोजैक्ट का हिस्सा बनाया गया है। इससे अयोध्या के साथ ही उत्तर प्रदेश और पूरे भारत का आध्थक और भाजपा का राजनीतिक सबलीकरण होगा, जिस का कोई तोड़ भाजपा के विरोधियों के पास फिलहाल के लिए तो नजर नहीं आ रहा है।

श्रीराम नगरी अयोध्या लोकतंत्र की जननी

—हेमंत शर्मा—

इतिहास अयोध्या का है। अयोध्या राम की है। और राम लोक के हैं। लोकतंत्र की परिधि में इस 'अयोध्याकांड' का एक चक्र पूरा हो गया। अयोध्या में रामलला का भव्य एवं दिव्य मंदिर बन गया। अयोध्या का गौरव लौट आया। यह सिर्फ राम के जन्मस्थान का मंदिर ही नहीं, भारत की सनातनी आस्था का शिखर भी है। रामजन्मस्थान मंदिर अब इतिहास के खंडहरों से निकल देश के भविष्य का 'सिंहद्वार' बन गया है। बाबर ने तलवार के बूते जिस आस्था का ध्वंस चाहा था, वह आस्था पांच सौ साल बाद देश के आहत स्वाभिमान की पुनर्स्थापना करते हुए फिर से उठ खड़ी हुई है। अयोध्या का यह विशाल मंदिर एक प्रमाण है, मजहबी असहिष्णुता के खिलाफ प्रतिकार का। यह मंदिर एक प्रतीक है, अपनी सांस्कृतिक धरोहर से हर कीमत पर जुड़े रहने का। यह मंदिर मिसाल है, शमशीर से निकली उस विचारधारा के ध्वंस का, जो सर्वपंथ, समादर, सर्वग्राही, समता, समरस समाज, उदारता और सहिष्णुता के भारतीय आदर्शों को स्वीकार नहीं करती। यह मंदिर सिर्फ राम का नहीं, उदात्त भारतीय मूल्यों का भी है।

अयोध्या लोकतंत्र की जननी है। आराधिका है। संरक्षिका है। अयोध्या का लोकतंत्र संविधान या परंपरा से नहीं, आचरण की श्रेष्ठता से चलता है। इसलिए अयोध्या का लोकतंत्र लोकमंगल से जुड़ता है। अयोध्या तोड़ती नहीं, जोड़ती हैकृजीव से ब्रह्म को, आत्मा से परमात्मा को, भक्त से भगवान को, व्यक्ति से समष्टि को, राजा से प्रजा को, मनुष्य से मनुष्य को, खंडित से अखंडित को, अगड़ों से पिछड़ों को, बूंद से समुद्र को, वनवासी आदिवासी को राज्य से। ऐसी कितनी ही बहुलताओं को जोड़ने वाली अटूट ताकत का नाम 'अयोध्या' है।

तो क्या जन्मस्थान पर बनी यह नई इमारत पत्थरों और कंक्रीट का महज एक मंदिर है? नहीं, यह बदलते भारत का प्रतीक है, जिसमें किसी भी अन्याय के प्रतिकार की ताकत है। अयोध्या के जन्मस्थान पर बना यह मंदिर गरज के साथ उद्घोषणा करता है कि यह वक्त दुनिया की आंख में आंख डालकर बताने का है कि अयोध्या राम की थी, राम की है और राम की ही रहेगी। इस मंदिर से हमारी परंपरा, संस्कृति, धर्म, सभ्यता, मान—सम्मान का गर्भनाल रिश्ता है। इसलिए यह मंदिर भविष्य के भारत में राम के लोकतांत्रिक राज्य, जाति—वर्ग से परे सर्वसमावेशी समाज, लोकमंगलकारी शासन, राम के आदर्श, अहंकार और आतंक के नाश का नाभिकीय केंद्र बनेगा। यहां से देश और समाज की एकता के सूत्र निकलेंगे। इस 'आस्था के मंदिर' को कोई ताकत रोक नहीं सकती। जन्मस्थान के इस मंदिर को बीते पांच सौ साल में कई बार तोड़ा गया। जन्मस्थान के अस्तित्व को मिटाने की कोशिश की गई। सनातन को कुचलने का प्रयास हुआ। राम के जन्मस्थान को लेकर झूठा इतिहास गढ़ा गया। बावजूद इसके जनमानस के मन में राम बने रहे। वे हमारी संस्कृति का मजबूत आधार बनते रहे। वे भारत की मर्यादा के आदर्श प्रतीक बने। जिसमें उन्हें भगवान ही नहीं, 'पुरुषोत्तम' भी माना गया। ऐसा पुरुषोत्तम, जो भारतीय चिंतन की सदियों से चली एक विराट 'रासायनिक प्रक्रिया' से बना है, जिसने राम को पूजनीय से ज्यादा अनुकरणीय बना दिया। राम देवोत्तर मनुष्य हैं। इसलिए तमाम कुचक्रों, षड्यंत्रों के बावजूद उनका मंदिर फिर से खड़ा हो गया। यही 'राम की ताकत' है।

अयोध्या का मंदिर राम का है। राम कण—कण में हैं। हमारे भाव की हर हिलोर में राम हैं। कर्म के हर छोर में राम हैं। राम यत्र—तत्र—सर्वत्र हैं। जिसमें रम गए, वही राम है। यहां सबके अपने—अपने राम हैं। गांधी के राम अलग हैं। लोहिया के राम अलग। वाल्मीकि और तुलसी के राम में भी फर्क है। भवभूति के राम दोनों से अलग हैं। कबीर ने राम को जाना। तुलसी ने माना। निराला ने बखाना। राम एक ही हैं, पर दृष्टि सबकी भिन्न है। भारतीय समाज में मर्यादा, आदर्श, विनय, विवेक, लोकतांत्रिक मूल्यवत्ता और संयम का नाम है राम। आप ईश्वरवादी न हों, तो भी घर—घर में राम की गहरी व्याप्ति से उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम तो मानना ही पड़ेगा। एक ऐसा लोकनायक, जिसमें सत्ता के प्रति निरासक्ति का भाव है। अयोध्या में ऐसे राम के मंदिर पर अब नए भारत की इमारत खड़ी होगी।

राम की अयोध्या महज एक शहर नहीं, एक समदर्शी विचार है। अयोध्या भक्ति और समर्पण का प्रतीक है और भक्ति सर्वहारा का आंदोलन है। अयोध्या की सामाजिक व्यवस्था में विभाजन का आधार रोजगार है। व्यक्ति को श्रम या उत्पादन करना पड़ता है। भरत अपने हाथ से कपड़ा बुनते हैं। अयोध्या ने जाति को महत्व नहीं दिया। वहां आचरण श्रेष्ठ है, जाति नहीं। इसलिए शबरी, निषाद सब राम के बृहत्तर परिवार के सदस्य हैं। अयोध्या दुष्टों को भय और निराश्रितों को अभय देती है।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम, राजा रामचंद्ररू, रामभद्ररू, राजीवलोचन, शाश्वतरू, जानकी वल्लभरू, लिखित और अलिखित रामकथाओं में राम के ऐसे 108 नाम प्रचलित हैं। कहीं राम दशरथ पुत्र हैं, कहीं चक्रवर्ती सम्राट, कहीं कौशल्या नंदन, तो कहीं जनार्दन। जैसा जिसने देखा, वैसा उसने माना। लेकिन अलग—अलग कालखंड में भी एक सर्वसहमति रही राम के लोकतांत्रिक मूल्यों पर। यह सच है कि राम राजतंत्र की व्यवस्था का हिस्सा थे, लेकिन राम राजतंत्र में गणतंत्र की घोषणा भी थे। वाल्मीकि रामायण 'लोकतंत्र की आधारशिला' है। राम का लोकतंत्र आज के लोकतंत्र से भी गहरा है। आमतौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था बहुमत के सिद्धांत पर चलती है, मगर रामराज में बहुमत नहीं, सर्वमत चलता है। उनके लोकतंत्र में भाईचारा, प्रकृति, पर्यावरण की सुरक्षा, दलितों, आदिवासियों, वनवासियों के साथ सद्भाव है। पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता, वन्यजीवों के लिए दोस्ताना व्यवहार है। तुलसी की रामकथा के तीन वाचक और तीन श्रोता हैंकृपहले शिव, फिर याज्ञवलक्य और काकभुशुंडी। श्रोता भी तीन हैंकृ पार्वती, भरद्वाज और गरुड़। काकभुशुंडी कौवा जाति के हैं। पक्षियों में निकृष्ट। गरुड़ पक्षियों में श्रेष्ठ। काकभुशुंडी के पांडित्य के कारण ही गरुड़ उनके शिष्य बनते हैं। यानी पिछड़ी जाति का कोई भी व्यक्ति अगर पंडित है, ज्ञानी और गुणी है, तो वह पूज्य है। राम हमारे देश की उत्तर—दक्षिण एकता के अकेले सूत्रधार हैं। इसलिए अयोध्या का यह मंदिर हमारे देश की सामाजिक, भौगोलिक एकता व अखंडता का प्रतीक भी बनेगा।

राम जिस धर्म, मर्यादा, विनय और शील के लिए जाने जाते हैं। उसकी जननी 'अयोध्या' है। अयोध्या बाकी दुनिया के लिए प्रेरणास्थल है। मंदिर के जरिये इसे और विस्तार मिलेगा। अयोध्या के इस गौरव का विस्तार भारतीय जाति की खोई गरिमा के प्रकटीकरण का एक उपक्रम होगा। अयोध्या वीतरागी है। भक्ति में डूबी अयोध्या का चरित्र अपने नायक की तरह धीर, शांत और आखिर ये राम हैं कौन? जिनका नाम लेकर एक वृद्ध गांधी अंग्रेजी साम्राज्य से लड़ गया। जिसके नाम पर इस देश में आदर्श शासन की कल्पना की गई। उसी 'रामराज्य' के सपने को देख देश आजाद हुआ। गांधी ने अपने सपने को 'सुराज' कहा। विनोबा इसे 'प्रेम योग' और 'साम्य योग' के तौर पर देखते थे। वाल्मीकि अपने 'रामराज्य' की व्याख्या करते हैं—

काले वर्षति पर्जन्यरू सुभिक्षंविमला दिशः।

ह्रष्टपुष्टजनाकीर्ण पुरू जनपदास्तथा।

नकाले म्रियते कश्चिन व्याधिरू प्राणिनां तथा

नानर्थो विद्यते कश्चिद् पाने राज्यं प्रशासति

यानी जिस शासन में बादल समय से बरसते हों। सदा सुभिक्ष रहता हो, सभी दिशाएं निर्मल हों। नगर और जनपद ह्रष्ट—पुष्ट मनुष्यों से भरे हों। जहां अकाल मृत्यु न होती हो, प्राणियों में रोग न हो, न किसी प्रकार का अनर्थ हो। पूरी धरा पर एक समन्वय और सरलता हो, यानी प्रकृति के साथ सहज तादात्म्य हो, वही रामराज्य है। अयोध्या का राममंदिर इन्हीं भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति है। क्योंकि राम सिर्फ शासन व्यवस्था के आदर्श नहीं हैं। राम पुरुषार्थ से शासक बनते हैं। परमार्थ से साधु। राम अहंकारी से सब छीनते हैं। शरणागत को सब देते हैं। इसीलिए राम आतंक के खिलाफ भी खड्गहस्त होते हैं। आज दुनिया में आतंकवाद सबसे बड़ी समस्या है। राम त्रेता में ही आतंक के खात्मे का प्रण करते हैं। 'निसिचर हीन करउं महि भुज उठाइ पन कीन्हि।' यानी दुनिया में आतंक से लड़ने की ताकत का 'पावर हाउस' भी अयोध्या का यह मंदिर बन सकता है। अयोध्या का मतलब ही 'आतंक के खिलाफ' है। जिससे युद्ध न हो सके। जो किसी आतंक के आगे न झुके। वैदिक ऋषि भी अयोध्या के इस संघर्षधर्मी मंदिर की नवय्यत बताते हुए कहते हैं कि मंदिर की सबसे पुरानी संकल्पना मनुष्य के शरीर में ही निहित है। मंदिरों की पहली नींव पड़ने के बहुत पहले से ही मनुष्य का तन प्रकृति का सबसे मौलिक मंदिर है। मंदिरों के स्थूल संदर्भ तो दूसरी सदी में शुरू होते हैं। पर शरीर मंदिर के 'अथर्ववेदीय' संदर्भ अयोध्या में पहले से उपस्थित हैं। यह अयोध्या सहस्रार में है। अयोध्या शरीर का वह बिंदु है, जो हमारी चेतना के प्रस्फुरण का चरम है। इस बिंदु को कोई व्याधि या विकार जीत नहीं सकता।

या में ऐसे राम का मंदिर अन्याय और आतंक के खिलाफ संघर्ष के लिए दुनिया में न सिर्फ प्रेरणा देगा, बल्कि इसका केंद्र भी बनेगा। समूची दुनिया में यह वक्त है, आतंकवाद के खात्मे के लिए ऐसे ही प्रण का।

राम का व्यक्तित्व, लोकतंत्र, लोकमंगल और आदर्श राज्य—व्यवस्था की अभिव्यक्ति है। उनका कृतित्व लोकतांत्रिक मूल्यों की आधारशिला है। उन्होंने 'रामराज्य' नाम की जिस वैचारिकी का सूत्रपात किया। दुनिया के लगभग सभी लोकतंत्र का अंतिम लक्ष्य वही है। लोकतंत्र के सारे सूत्र इसी रामराज्य से निकलते हैं। तुलसी का रामराज्य समतामूलक है। उसमें राज्य की अनीति के प्रति गुस्सा है। जनतंत्र की नई अवधारणाएं हैं और लोकतंत्र के चरम आदर्शों की कल्पना है। राम जिस धर्म और मर्यादा के लिए जाने जाते हैं, वह दुनिया के लिए अनुकरणीय है। रामराज्य का केंद्र अयोध्या है।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर से होगा आर्थिक विकास

—प्रहलाद सबनानी—

किसी भी देश में आर्थिक विकास को अतुलनीय गति देने में केवल 10 वर्ष का समय बहुत कम माना जाता है। इतिहास गवाह है कि कई देशों को आर्थिक विकास की रफ्तार को गति देने में दशकों लग जाते हैं। चीन ने वर्ष 1980 का आसपास अपने देश में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए थे परंतु इनका परिणाम दशकों बाद दिखाई दिया था, लगभग यही स्थिति अन्य देशों की भी रही है। परंतु, भारत ने पिछले केवल 10 वर्षों के दौरान अर्थ के कई क्षेत्रों में पूरे विश्व को राह दिखाई है।

भारत में आधारभूत ढांचे को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा गया है क्योंकि किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने में आधारभूत ढांचे का विकसित अवस्था में होना अति आवश्यक माना जाता है। भारत में वर्ष 2013 में केवल 4,100 किलोमीटर रेल्वे लाइन का विद्युतीकरण किया जा सका था जो वर्ष 2023 में बढ़कर 28,100 किलोमीटर का हो गया है। राष्ट्रीय हाईवे भी वर्ष 2014 के 25,700 किलोमीटर से बढ़कर वर्ष 2023 में 53,700 किलोमीटर के हो गए हैं और भारत में वर्ष 2014 में केवल 74 एयरपोर्ट थे, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 148 हो गए हैं। इस प्रकार के आधारभूत ढांचे को विकसित करने से भारत में रेल्वे ट्रैक, राष्ट्रीय हाईवे सहित सड़क मार्ग एवं एयरपोर्ट की उत्पादकता बढ़ी है एवं पेट्रोल, डीजल की खपत में कमी होकर देश में पर्यावरण की स्थिति को सुधारने में भी सहायता मिली है।

मुद्रा स्फीति की दर वर्ष 2013 में 10 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022 में घटकर 4.7 प्रतिशत हो गई है। इससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है और उनके व्यय करने की क्षमता बढ़ी है। देश में डिजिटल क्षेत्र का तो जैसे कायाकल्प ही हो गया है। वर्ष 2016 में डिजिटल व्यवहार देश के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 4.4 प्रतिशत ही हो पा रहे थे जो वर्ष 2023 में बढ़कर 76.1 प्रतिशत से भी अधिक होने लगे हैं। इसी प्रकार, देश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की संख्या वर्ष 2014 में 16 से बढ़कर वर्ष 2023 में 23 हो गई है, भारतीय मेडिकल संस्थानों (आईआईएम) की संख्या वर्ष 2014 के 13 से बढ़कर वर्ष 2023 में 20 हो गई है, मेडिकल कॉलेजों की संख्या वर्ष 2013 में 385 से बढ़कर वर्ष 2023 में 693 हो गई है और अखिल भारतीय मेडिकल साईंस संस्थानों (ऐमस—एआईआईएमएस) की संख्या वर्ष 2014 में 7 से बढ़कर वर्ष 2023 में 25 हो गई है। कुल मिलाकर पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत में महत्वपूर्ण संस्थानों को भारी संख्या में विकसित किया गया है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार वर्ष 2014 में 28,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर था जो वर्ष 2023 में दुगने से भी अधिक होकर 60,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। विदेशी निवेशकों का विश्वास भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2013 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में 2,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया था जो वर्ष 2023 में दुगने से भी अधिक होकर 4,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है।

अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के ऋणरू सकल घरेलू उत्पाद अनुपात को लेकर चिंता जताते हुए कहा था कि आगे आने वाले समय में भारत के लिए यह अनुपात 100 के स्तर को पार कर सकता है, यदि ऐसा होता है तो यह भारत के आर्थिक विकास को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। परंतु, भारत में निगमों का औसत ऋणरू सकल घरेलू उत्पाद अनुपात वर्ष 2015 के 65 प्रतिशत से कम होकर वर्ष 2023 में 50 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है और, उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2028 तक केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों का ऋणरू सकल घरेलू उत्पाद अनुपात भी कम होकर 80 प्रतिशत के निचले स्तर पर नीचे आ जाएगा।

केंद्र सरकार पर लगातार यह आरोप लगता रहा है कि केंद्र सरकार के संस्थानों को बेचा जा रहा है। जबकि अब केंद्र सरकार के विभिन्न 25 संस्थानों ने पिछले एक वर्ष के दौरान अपने निवेशकों की पूंजी में 100 प्रतिशत से अधिक का संवर्धन किया है। विशेष रूप से आईआरएफसी ने 437 प्रतिशत, इरकोन ने 343 प्रतिशत, आरवीएनएल ने 321 प्रतिशत, कोचीन शिप्यार्ड ने 247 प्रतिशत, पीएफसी ने 250 प्रतिशत, रैलटेल ने 247 प्रतिशत, आईटीआई ने 245 प्रतिशत, हुड़को ने 245 प्रतिशत तक का संवर्धन निवेशकों के निवेश में पिछले एक वर्ष के दौरान किया है। आज न केवल विदेशी संस्थागत निवेशक और भारतीय संस्थागत निवेशक बल्कि खुदरा निवेशक भी केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों में निवेश करने पर अधिक भरोसा जता रहे हैं। और, फिर अब तो अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा भी 22 जनवरी 2024 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत एवं पूज्य संत मंडल के सानिध्य में सम्पन्न की जा चुकी है। यह एक ऐसा कारण बनने जा रहा है जिसके चलते भारत की आर्थिक विकास दर 10 प्रतिशत से भी आगे निकल सकती है, जो वर्तमान में 7 प्रतिशत के आसपास चल रही है। दरअसल अयोध्या में निर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर एक राष्ट्र मंदिर के रूप में विकसित हुआ है, जिसके चलते न केवल भारत के नागरिक बल्कि अन्य देशों में सनातन संस्कृति का पालन करने वाले नागरिक भी भारी संख्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन करने हेतु अयोध्या आएंगे। इससे, भारत में धार्मिक पर्यटन नई ऊंचाईयों को छूने जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शत हेतु अयोध्या पहुंचेगे। यह संख्या शीघ्र ही 3 लाख श्रद्धालु प्रतिदिन हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो प्रतिवर्ष 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचेंगे। अयोध्या पहुंचा प्रत्येक श्रद्धालु यदि 2500 रुपए भी खर्च करता है तो केवल अयोध्या की स्थानीय अर्थव्यवस्था में 25000 करोड़ रुपए शामिल होंगे। यह श्रद्धालु अयोध्या जाते हुए वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर एवं मथुरा में बांके बिहारी मंदिर आदि में भी दर्शन हेतु अवश्य जाएंगे। इस प्रकार, वाराणसी एवं मथुरा की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष लगभग एक लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त खुराक प्रत्यक्ष रूप से मिल सकती है। इस प्रत्यक्ष खुराक का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर लगभग 5 गुना चक्रीय असर भी हो सकता है जो अंततः भारत के आर्थिक विकास में ही जुड़ने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन से यातायात, होटेल, स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों जैसे क्षेत्रों में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते हैं।

दोयम दर्जा नागरिक बनाने के स्कूल

—राजेश रामचंद्रन—

राम मंदिर को लेकर चंहुओर बना अति उत्साह इतना अधिक है कि 75वें गणतंत्र दिवस के समारोह की खबरें सुनाई नहीं दे रही हैं। एक छोटा उदाहरण बताएं तो नोएडा स्थित सिविल सर्वेंट्स को—ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी ने भी 22 जनवरी को अपने परिसर के भीतर एक मंदिर का उद्घाटन करने की घोषणा की है, अब लेखाकार विभाग से सेवानिवृत्त अनेक अधिकारी धार्मिकता और आधुनिकता के बीच संतुलन साधने को लेकर हैरान हैं। मंदिर राजनीति से इतर, गणतंत्र दिवस की हीरक जयंती अवसर है ठिठककर मुल्क की स्थिति का जायजा लेने का। चांद पर लैंडिंग, उत्तरी एवं पूर्वी सीमाओं पर सैनिकों की आमने—सामने डटने की स्थिति, यूक्रेन युद्ध से बिगड़ता नाजुक राजनयिक संतुलन, पश्चिम एशिया में टाइम—बम सरीखे हालात और विश्वभर में गिरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच यदि भारतीय व्यवस्था कायम है तो यह चमत्कार किसी को भी हैरान होने को मजबूर करेगा। यह उपलब्धि विचारणीय और बाध्यकारी अवयवों के आलोक में छोटी नहीं है जबकि आजादी के पहले ही दिन से इन्होंने राष्ट्र को जन—कलहों की ओर धकेलना शुरू कर दिया था।

संकुचित होते और नए उभरते साम्राज्य ने भारत के टुकड़े करने की साजिश रची और देश के प्रत्येक हिस्से में पृथकतावाद के बीच बोए। लेकिन जो शुरुआत अच्छी तरह सोची—समझी योजना से हुई वह अब तमाशे में तब्दील होती जा रही है। मसलन, औपनिवेशिक काल में, 1942 में 'अधिकारी सिद्धांत' जैसे विचारों ने धार्मिक पृथकतावाद को न्यायसंगत बताने की बहुतेरी कुतार्किक कोशिशें की, यहां तक कि अभी भी कट्टर मार्क्सवादी अपनी बेवसाइट्स चलाने की खातिर पश्चिमी या चीनी वित्तीय सहायता पर निर्भर हैंदृ यह बताने की आवश्यकता नहीं कि 'डंकी रूट' के जरिये आप्रवासियों को अमेरिका में राजनीतिक शरण पाने की खातिर अमृतपाल सिंह की वीडियो फैलाने और खालिस्तानी नारे लगाने को कहा जाता है।

भारतीय गणतंत्र और संविधान ने अपना मुकाम पाने को बहुत संघर्ष किया, कठिनाइयां सही और जिस किस्म का देश बनाने का विचार हमारे संस्थापक पितामहों का था, उससे हटाने को, अंदरूनी एवं बाहरी दबावों के प्रयासों के बीच उसने अपना वजूद बनाए रखा। राष्ट्र की आत्मा, यदि कोई है, उसकी कामना कलह, अलगाव और लालच की बजाय सामूहिक समृद्धि की होगी। यहां तक कि जनसंख्या के एक बड़े वर्ग की बहुसंख्यकवादी प्रवृत्तियां उनकी अपनी आकांक्षाओं से प्रभावित होती दिखाई दे रही हैं। आखिरकार शांति समृद्धि के लिए पूर्व—शर्त है। और एक राष्ट्र निरंतर खुद से लड़ना गवारा नहीं कर सकता।

लेकिन एक भयावह अवयव है जोकि राष्ट्रीय महानता की तमाम उम्मीदों को धराशायी कर सकता है। एक कड़वी हकीकत राज्य एवं केंद्र सरकारों के सामने मुंह बाए खड़ी है : ग्रामीण विद्यालयों का शोचनीय शिक्षा स्तर, जिनमें अधिकांश सरकारी हैं। एक गैर सरकारी संगठन 'प्रथम फाउंडेशन' द्वारा किया गया हालिया सर्वे, जिसके परिणाम 'वार्षिक शिक्षा रिपोर्ट 2023' में प्रकाशित हुए हैं, हमारे ग्रामीण युवावर्ग की वास्तविक काबिलियत के स्तर को उजागर करती है।

महिला अस्पताल में गूंजी किलकारी, लोगों ने दी बधाई

संवाददाता—महराजगंज। सोमवार को दोपहर 12 बजे सीएचसी परतावल महिला अस्पताल में दो बच्चों की किलकारी गूंजी तो बधाई देने वालों का तांता लग गया। प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही यहां दो बेटियों का जन्म हुआ। यही नहीं लोगों ने उन्हें प्रभु श्रीराम की कृपा मानते हुए एक का नाम सीता तो दूसरे का नाम लक्ष्मी तय कर दिया। परतावल सीएचसी में जहां दो हिन्दू परिवारों में किलकारी गूंजी वहीं जिला महिला अस्पताल में एक मुस्लिम परिवार में बेटी ने जन्म लिया। अस्पताल की स्टाफ नर्श स्नेहलता गौड़, श्वेता सरली टेम्पल के साथ मौजूद वहां के सभी तीमारदार भी अपने को इस खुशी में शामिल करने से रोक नहीं सके। सोमवार को दोपहर 12 बजे अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई। परतावल सीएचसी के महिला अस्पताल में कुछ मिनटों के अंतराल में दो प्रसव हुए और दोनों ही बेटियां है। क्षेत्र के ग्राम सभा सोहरौना निवासी सविता चौधरी को पुत्री पैदा हुई तो उनके पति गनेश बोल पड़े कि घर में जगत जननी मां सीता का आगमन हुआ है। परतावल क्षेत्र के निवासी विजय की पत्नी प्रियंका ने भी पुत्री को जन्म दिया तो परिजनों के खुशी का ठिकाना नहीं था। प्राण प्रतिष्ठा के दिन पुत्री के जन्म से यह खुशी और बढ़ गई। वहीं जिला अस्पताल में फरेंदा क्षेत्र के पिपरा विशंभरपुर निवासी साफिया खातून ने भी पुत्री को जन्म दिया। रामोत्सव के बीच वह भी उत्साहित नजर आईं।

युवक की हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता—महराजगंज। गांव कोहड़वल टोला करमहवा निवासी एक मजदूर की शुक्रवार की रात संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मामले में युवक की मां कोइली ने पुलिस को तहरीर देकर हत्या का आरोप लगाया है। नौतनवा थाना क्षेत्र के गांव कोहड़वल टोला करमहवा निवासी मृतक सुरेंद्र की मां कोइली ने सोमवार को पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि उनके तीन बेटे हैं। सबसे छोटा बेटा सुरेन्द्र मजदूरी करता था। वह अपने भाई रामजीत तथा एक अन्य व्यक्ति के साथ मजदूरी करने गया था। शुक्रवार को काम से लौटा तो अपने भाई रामजीत को सेमरातर चौराहे पर बाइक से उतारकर अपने एक साथी मजदूर को छोड़ने सोनौली कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव जारा गया था।

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भक्तों को दिव्य प्रसाद किया गया वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर महंत ऋषिकेश साहेब दाहोद गुजरात की अध्यक्षता दिखा में कबीर आश्रम सालिया दाहोद गुजरात ने भी विशाल भंडारा शुरू किया। जो अयोध्याधाम के श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति परिसर निकट महोबरा बाईपास में आयोजित है, जिसका नाम कबीर सनातन भंडारा दिया गया। पूरे भारतवर्ष के सभी कबीर पंथियों द्वारा मिलकर यह लंगर चलाया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन सुबह—शाम मिलाकर दस हजार श्रद्धालु, रामभक्त और दर्शनार्थी भोजन, नाश्ता, चाय ग्रहण कर रहे हैं। रविवार को सर्वप्रथम मुख्य अतिथि मगहर पीठाधीश्वर आचार्य विचार साहेब ने कबीर सनातन भंडारा का भव्य शुभारंभ किया। उसके बाद आयोजक गणों द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत—सत्कार किया गया। इस अवसर पर मगहर पीठाधीश्वर आचार्य विचार साहेब ने कहा कि यह बहुत ही पुनीत कार्य है। इस कार्य में सभी को जुड़ना चाहिए। भगवान श्रीरामलला अपने भव्य, नव्य, दिव्य मंदिर में विराजमान हो रहे हैं। जो हम सबके लिए खुशी की बात है।

वहीं विशिष्ट अतिथि श्रीकबीर धर्म मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष उमाशंकर दास ने कहा कि श्रीरामलला के पावन प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर कबीर सनातन भंडारा शुरू हो गया है। जो एक महीने चलेगा। भंडारे में प्रतिदिन दस हजार लोग भोजन, नाश्ता, जलपान ग्रहण कर रहे हैं। प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक नाश्ता— जिसमें चाय, कचौड़ी, पकौड़ी दिया जाता है। उसके बाद सुबह 11 बजे से दोपहार 1 बजे तक भोजन मिलता है। फिर रात्रि 8 बजे से 11 बजे तक भोजन का कार्यक्रम चलता है। प्रतिदिन नाश्ता, भोजन का क्रम ऐसा ही चलता रहेगा। नाश्ता—भोजन हर रोज मीनू चार्ट के हिसाब से बनेगा। इस मौके पर महंत मनमोहन साहेब अहमदाबाद, महंत किशोर दास शिवहर बिहार, स्नेहिल दरिया भाजपा जिला महामंत्री दाहोद, जिला परिषद सदस्य दाहोद गुजरात के मुकेश भाई, सरपंच विनोद कुमार अग्रवाल, अरविंद शास्त्री मगहर, आचार्य पीठ फतुआ पटना आचार्य बृजेश मुनि, कबीर आश्रम हरिद्वार के स्वामी प्रकाशानंद, स्वामी कृष्णानंद व स्वामी सदानंद सिंह हरियाणा, कबीर प्रगट स्थली लहरतारा के गोविंद दास शास्त्री, कबीर आश्रम बस्ती के महंत रामलखन दास, नारायण साहेब गुजरात, महंत केशव साहेब, रामप्रकाश दास, सूर्यमणि दास, भाजपा नगर महामंत्री लक्ष्मण वर्मा, डॉ. अजय सिंह, प्राचार्य निर्मल कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के नायक हैं पीएम नरेंद्र मोदी – आरपीएन सिंह

संवाददाता—कुशीनगर। पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री आरपीएन सिंह ने कहा कि अयोध्या धाम में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को केवल भव्य कहना पर्याप्त नहीं लगता। इस परम पुनीत अवसर की प्रतीक्षा करीब 500 वर्षों से थी। श्रीराम जन्मभूमि की मुक्ति के निमित्त बीती सदियों में अगणित व्यक्तियों ने अपने प्राण गंवाए तो बहुतों ने अपना सारा जीवन न्यौछावर कर दिया। हम सबने वह दौर भी देखा है, जब कुछ लोग व्यंग्य भरे भाव से मंदिर निर्माण की तारीख पूछा करते थे। मर्यादापुरुषोत्तम की मर्यादा के विरुद्ध टिप्पणियां किया करते थे। भगवान की जन्मस्थली किसी एक नगर, जनपद, प्रदेश और हमारे देशवासियों की ही नहीं बल्कि संसारभर में फैले सारे सनातन धर्मावलंबियों की आस्था से जुड़ी हुई है। प्राण प्रतिष्ठा का यह अवसर सच्चे अर्थों में देश और दुनियाभर के लिए कितना महत्वपूर्ण है, इसे शब्दों में बयां कर पाना कहीं से भी संभव नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राज दरबार स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सदियां बीतती गईं, लेकिन श्रीराम जन्मभूमि की मुक्ति के संघर्ष की धार कभी कुंद नहीं हुई। अनगिनत साधु—संत, अमीर—गरीब, गृहस्थ, वृद्ध से लगायत युवकों ने इस यज्ञ में आहुतियां दीं, लेकिन उनका सपना अधूरा ही रहा। आज भी आंदोलन से जुड़े बहुत से ऐसे लोग मौजूद हैं, जिनके शरीर कमजोर हो गए हैं। नजर धुंधली हो चली है, लेकिन भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के समाचार ने उनमें जैसे नये प्राण फूंक दिये हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन की सफलता के पीछे असंख्य सनातन धर्मावलंबियों के बलिदान, त्याग और तपस्या के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके विभिन्न अनुषांगिक संगठनों के अथक प्रयासों की भी भूमिका रही है। सही बात तो यह है कि इस आंदोलन में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष योगदान देने वाले सबको जान पाना असंभव सा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने कहा कि श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन की चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिक्र के बिना पूरी हो ही नहीं सकती। सदियों तक लाखों—करोड़ों आस्थावान व्यक्तियों ने जो कल्पना की, जो सपने देखे, उन्हें प्रधानमंत्री ने अपने दृष्टिकोण और दृढ़संकल्प से साकार कर दिखाया है। हमारे देश का इतिहास गवाह है कि हर कालखंड में कोई न कोई ऐसा नायक आया, जिससे सनातन शोभित हुआ है। आज के दिन नायक पीएम नरेंद्र मोदी हैं।

शीतलहर व पाला गिरने से फसलों को नुकसान

संवाददाता—बलरामपुर। जिले में पिछले एक पखवाड़े से शीतलहर व पाले का कहर जारी है। सर्द हवाओं के चलते मौसम काफी ठंडा हो गया है। ठंड के चलते जहां जनजीवन अस्त—व्यस्त हो गया है वहीं, पाले के चलते फसलों को नुकसान भी पहुंच रहा है। इससे किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। नया साल शुरू होने के बाद से ही मौसम ने रंग दिखाना शुरू कर दिया। शीतलहर व सर्द हवाओं के चलते तापमान काफी गिर गया है। बीच—बीच में धूप निकलने के बाद भी सर्द हवाओं के चलते ठंड में कोई कमी नहीं आई। वहीं, बीते एक सप्ताह से दिन में भी कोहरा व बदली छाई रही। रविवार को दोपहर 12 बजे के बाद एक घंटे के लिए धूप निकली, लेकिन कुछ ही देर बाद फिर कोहरा छा गया। कोहरा छाने व तेज हवा के चलते ठंड काफी बढ़ गई। ठिठुरन वाली ठंड के चलते ज्यादातर लोग घर से बाहर नहीं निकले। जो लोग जरूरी काम से बाहर निकले भी वे अपने आप को गर्म कपड़ों में ढके रहे। शीतलहर व पाला गिरने के कारण फसलों को भी काफी नुकसान पहुंच रहा है। प्रगतिशील किसान कृष्ण गोपाल सिंह, करन सिंह, शांतिभूषण शुक्ल, उस्मान खां व मारूफ व अन्य का कहना है कि पाला गिरने से आलू, सरसों, मटर व सब्जियों की खेती बर्बाद हो रही है। यदि इसी तरह पाला गिरता रहा तो काफी नुकसान झेलना पड़ेगा।

रामोत्सव पर झूमे डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे छात्र, निकाली प्रभात फेरी

संवाददाता—देवरिया। रामोत्सव पर महर्षि देवराहा बाबा चिकित्सा महाविद्यालय में सोमवार को डॉक्टर की पढ़ाई कर रहे छात्र जमकर झूमे। परिसर में प्रभात फेरी निकाल कर राम के जयकारे लगाए।

सुबह पीला कुर्ता और सफेद पजामा पहने मेडिकल कॉलेज की छात्र—छात्राएं प्रशासनिक भवन परिसर में एकत्रित हुए। हाथों में महावीर पताका लिए छात्र आगे चले। पीछे उनके साथी बैंड की धुन पर राम नाम बजते चल पड़े। इनके पीछे प्रोफेसर का समूह रामनवमी पगड़ी धारण किए चल पड़ा। प्रशासनिक भवन से निकलकर प्रभात फेरी प्रिंसिपल आवास ब्लड बैंक होते हुए न्यू ओपीडी बिल्डिंग पहुंची यहां से बॉयज हॉस्टल होते हुए शोभा यात्रा प्रोफेसर, गर्ल्स हॉस्टल होकर के वापस प्रशासनिक भवन पहुंची, यहां से भारतीय स्टेट बैंक शाखा होते हुए मल्टीपरपज हाल में जाकर समाप्त हुई। भव्य प्रभात फेरी को मेडिकल कॉलेज पहुंचे रोगी और उनके परिजन अपलक निहारते रहे। चारों तरफ बस राम नाम की ही धुन सुनाई दे रही थी। छात्रों के उत्साह में प्राचार्य डॉ. राजेश बरनवाल, सीएमएस डॉ. एचके मिश्र, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आरके श्रीवास्तव सहायक आचार्य अरुणेश कुमार समेत कॉलेज की अनेक प्रोफेसर और स्टाफ शामिल हुए।

दो कोतवाल पर अदालत ने मुकदमा दर्ज करने के दिए आदेश, विभाग में मचा हड़कंप

संवाददाता—गोण्डा। जिले के मनकापुर कोतवाली में तैनात पूर्व और वर्तमान कोतवाल के रवैया पर नाराजगी जताते हुए अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय ने वर्तमान कोतवाल पर दो सौ रुपये तथा पूर्व कोतवाल पर 5 सौ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही पुलिस कस्टडी में ट्रक से सामान गायब होने पर

कोतवाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के साथ ही दोनों पुलिस अधिकारियों के चरित्र पंजिका पर अंकित करने के आदेश दिया है। जिसको लेकर विभाग में हड़कंप मच गया है। कोतवाली मनकापुर में वर्ष 2015 में एक ट्रक को सीज किया गया था। इस मामले में धोखाधड़ी जालसाजी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मुकदमे का ट्रायल अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय के अदालत पर चल रहा था। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक सहित मौजूदा प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सरोज को थाने में दाखिल ट्रक के सत्यापन आख्या प्रस्तुत करने के बाद संबंधित वाद के संबंध में नोटिस देकर बुलाते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए कई बार तलब किया। लेकिन प्रभारी निरीक्षक ने न तो कोई माकूल जवाब दिया। और ना ही स्वयं उपस्थित होकर मुकदमे के संबंध में कोई समुचित उत्तर दिया गया। इसके बाद अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय ने प्रभारी निरीक्षक मनकापुर राजकुमार सरोज को उपस्थित होने के लिए सम्मन भी भेजा था। लेकिन सम्मन तामील होने के बावजूद भी पूर्व प्रभारी निरीक्षक और मौजूदा प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सरोज ने कोर्ट के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। और न ही जज के आदेश के अनुपालन में कोई स्पष्टीकरण दिया। जिसमें कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य बनाम राम तीरथ के मामले में संबंधित ट्रक को लेकर 30 अगस्त 2023 को पुलिस अधीक्षक को भी माल मुकदमा प्रस्तुत करने हेतु एक पत्र प्रेषित किया गया था। उसके बावजूद भी कोई माकूल जवाब नहीं प्राप्त हुआ। मनकापुर प्रभारी निरीक्षकों ने बार—बार कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करना भारी पड़ गया।

अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय ने थाना प्रभारी के नोटिस सम्मन और एसपी को पत्र भेजने के बावजूद भी जवाब न मिलने से टिप्पडी करते हुए कहा कि थाना प्रभारी ने घोर लापरवाही करते हुए मुकदमाती ट्रक को क्षतिग्रस्त करते हुए विलुप्त कर दिया। और ट्रक के समान को चोरी करवा दिए हैं। जिससे इनके खिलाफ धारा 29 पुलिस अधिनियम के तहत उपेक्षा पूर्ण कार्य करते हुए राजकीय दायित्वों की पूर्ति न करने तथा न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करना पाया गया। इस मामले में कोर्ट ने पूर्व प्रभारी निरीक्षक मनकापुर मौजूदा प्रभारी निरीक्षक मनकापुर राजकुमार सरोज के खिलाफ कार्यवाही करते हुए आर्थिक दंड और रिपोर्ट दर्ज का आदेश दिया है।

भक्ति से जीवन में प्रसन्नता मिलती है —प्रभंजनानंद महाराज

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्रभु श्री राम लला के साथ सियाराम किला झुंकी घाट के प्रथम पीठाधीश्वर स्वामी मिथिला शरण महाराज छोटे सरकार के प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव वर्तमान पीठाधीश्वर महंत करुणा निधान शरण महाराज के संयोजन में संपन्न हुआ इस अवसर पर चल रही श्री राम कथा में स्वामी प्रभंजनानंद शरण महाराज ने कहा कि भक्ति हमारे जीवन में वैभव ,ऐश्वर्य और संपत्ति तो नहीं देती पर आंतरिक शांति, प्रसन्नता और प्रभु को मिलाती है ,जबकि माया में हमें सांसारिक वैभव ऐश्वर्य और संपत्ति तो प्राप्त होती है लेकिन जीवन अशांत तथा हृदय में सदैव में उथल—पुथल मचा ही रहता है अतः व्यक्ति को माया का परित्याग कर भक्ति का आचरण करना चाहिए जो चिर और सनातन है ।

उन्होंने बताया कि विनम्रता और सहनशीलता मानव जीवन का श्रेष्ठ आभूषण है, महान वह नहीं है जिसके जीवन में सम्मान और प्रतिष्ठा हो बल्कि महान वह है जिसके जीवन में सहनशीलता हो । हमारा सुख इस बात पर निर्भर नहीं करता कि हमारे पास कितनी संपत्ति है बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि हमारे जीवन में कितनी मात्रा में सन्मति है ।समर्थ का अर्थ यह नहीं है कि आप दूसरों को कितना झुका सकते हैं अपितु यह है कि आप स्वयं कितना झुक सकते हो । अभिमानी और अहंकारी व्यक्ति समाज में सदैव अपमानित होता है और टूटता है विनम्रता जीवन का सबसे बड़ा आभूषण है और विनम्र व्यक्ति सदैव सम्मान पाता है ।धनुष यज्ञ प्रसंग की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि रामजी ने धनुष तोड़ा पर उसकी डोरी नहीं टूटी इसका अर्थ यह है कि धनुष जो कठोर था वह तो टूट गया लेकिन डोरी विनम्र थी वह नहीं टुटी , विनम्र व्यक्ति को इंसान क्या भगवान भी नहीं तोड़ता है ।जो संपत्ति प्रभु का विस्मरण करा दे वह संपन्नता दुखदाई है जो बाहर से तो तृप्त करती है लेकिन भीतर अशांति और खालीपन छोड़ जाती है। कथा के विश्राम बेला में आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया मंदिर के संत पहलाद दास ने सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर लक्ष्मी नारायण सरकार का किया गया दिव्या श्रृंगार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या । प्रभु श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के पावन महोत्सव में प्रसिद्ध पीठ श्री अशर्फी भवन में महंत जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य के निर्देशन में चल रहे हैंविविधा अनुष्ठान। सोमवार को प्रातः काल अशर्फी भवन के आराध्य भगवान श्री लक्ष्मी नारायण प्रभु का दिव्य श्रृंगार कमल पुष्प से पूज्य महाराज श्री के द्वारा किया गया। अष्टोत्तर तुलसी अर्चन भगवान की विशेष पूजा अर्चना की गई दक्षिण भारत से प्रतिष्ठित अनंत श्री विभूषित जियर स्वामी महाराज एवं श्री रामचंद्र जीयर स्वामी महाराज श्री अशर्फी भवन पीठ में पधारे महाराज श्री ने भगवान का मंगला शासन करते हुए कहा मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम धर्म के साक्षात स्वरूप हैं ऐसा लग रहा है जैसे हम कलयुग में नहीं त्रेता में बैठे हैं अयोध्या को भव्य दिव्य सजा दिया गया है जिस प्रकार प्रभु 14 वर्ष के वनवास विताकर श्री अवध में आए थे तो अयोध्या को सजाया गया ठीक उसी प्रकार इस समय अयोध्या का वातावरण है प्रतिष्ठा के उपलक्ष में 13 जनवरी से ही अशर्फी भवन पीठ में प्रातः काल से रात्रि पर्यंत समस्त राम भक्तों को दिव्य भंडारे का प्रसाद वितरित किया जा रहा है। जगतगुरु स्वामी श्री श्रीधराचार्य जी महाराज अपने कर कमल से श्री राम प्राण प्रतिष्ठा में पधारे हुए सभी राम भक्तों को प्रसादी वितरित कर रहे है श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में सायन काल 5100 दीप जलाकर दीपावली उत्सव पर्व श्री अशरफी भवन पीठ में मनाया जाएगा।

गांव से शहर तक श्रीराम का जयघोष, भगवामय हुआ शहर, निकाली गई शोभायात्रा

संवाददाता—कुशीनगर। अयोध्या में श्रीराम राम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रविवार को जिले में जगह—जगह शोभायात्रा निकाली गई। गांव से लेकर शहर तक जय श्रीराम की जयघोष से माहौल भक्तिमय हो गया। पडरौना नगर के श्याम मंदिर, दुर्गा मंदिर, बुढ़िया माई मंदिर, भारतीय शिवाला मंदिर, बेलवा चुंगी स्थित दुर्गा मंदिर, जगदीश पुरम स्थित हनुमान मंदिर, जलकल भवन स्थित हनुमान मंदिर, खिरकिया दुर्गा मंदिर, कसया के मैनपुर कोट स्थित दुर्गा मंदिर, कुलकुला देवी मंदिर समेत सभी मंदिरों में भजन, कीर्तन और अखंड रामायण का पूजा पाठ किया गया। इसके पहले विभिन्न आयोजकों की तरफ से शोभा यात्रा निकाली गई। श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को लेकर श्रद्धालुओं ने सिधुआ बाजार में शोभायात्रा निकाली। इसमें भगवान श्रीराम, सीता की झांकी निकली गई। इस दौरान आयोजक संतोष गुप्ता, साधु बाबा, अमरजीत कुशवाहा, योगेंद्र कुशवाहा, आनंद वर्मा, राजू कुशवाहा, जितेंद्र वर्मा, अख्तर राईन, आनंद वर्मा, जीवित कुशवाहा, शैलेश चौहान, सूरज गुप्ता, राजु गुप्ता मौजूद रहे। शिवपुर डीह स्थित श्री हनुमान के गर्भ गृह में भगवान हनुमान की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा के लिए शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मंदिर परिसर से हनुमान चौक और शिवपुर के रास्ते विभिन्न गांव का भ्रमण करते हुए पुनरू मंदिर परिसर पहुंची, जहां 24 घंटे का अनुष्ठान शुरू हुआ। इस दौरान ओपी गुप्ता, ग्राम प्रधान दिनानाथ गुप्ता, रुपेश तिवारी, नवीन गुप्ता, विश्वनाथ शर्मा, हरेंद्र गुप्ता, शारदा गुप्ता, सूर्यभान गिरी, गामा गुप्ता, ओम प्रकाश शर्मा, मोहन लाल गुप्ता, सोनू शर्मा, अर्जुन गुप्ता आदि मौजूद रहे। घोरठ माई स्थान में सम्मय माता की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा के लिए वैदिक विधि के चल रहे अनुष्ठान संपन्न हुआ। बनारस से पधारे आचार्यों ने नवग्रह पूजन, षोडशोपचार पूजन के बाद माता के विग्रह का जलाधिवास कराया गया। इसके बाद अन्नाधिवास फलाधिवास, सम्पन्न हुआ। इस दौरान दुर्गा सप्तशती का पाठ और जप चलता रहा। आयोजक रामाश्रय वर्मा ने बताया कि सोमवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान मृत्युंजय दूबे, मधुसूदन पांडेय, राकेश मोहन पांडेय, अरुणेश पांडेय, अनिल कुमार पांडेय, आशुतोष दूबे, जुगुल किशोर सिंह, बेचू दूबे, अरुण सिंह, शैलेश वर्मा, घनश्याम वर्मा, अरविंद मद्धेशिया, पवन सिंह, सुनील कुमार ओझा, राम अवध सिंह, सिब्बू सिंह, राजेश दूवे, दिनेश चौबे आदि मौजूद रहे। राम उत्सव के लिए कस्बा सहित क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में विधि—विधान से पूजा पाठ शुरू हुआ। नगर पंचायत अध्यक्ष जेपी गुप्ता ने बताया कस्बा स्थित राम जानकी मंदिर में सोमवार को महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में श्रीराम राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा। शाम को 1100 दीपक जलाकर दीपोत्सव मनाया गया। इसी तरह परसौनी (सियरहा) स्थित शिव मंदिर में भाजपा नेता धनंजय राय की अगुआई में पूजा—पाठ शुरू हुआ। विनोद सिंह राजपूत ने बताया शिव सरया स्थित शिव मंदिर में लाइव प्रसारण के लिए एलईडी के साथ प्रसाद की व्यवस्था की गई है। बहादुरपुर निवासी निलय सिंह ने बताया गांव स्थित मंदिर में पूजा और दीप उत्सव का आयोजन किया गया है।

श्री राम जानकी मंदिर जौरा बाजार सेवा समिति की ओर से अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गांवों में शोभायात्रा निकाली गई। इसमें जय श्रीराम के जयघोष से गांव गूंज उठा। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रामजानकी मंदिर जौरा बाजार सेवा समिति की ओर से प्रभु श्रीराम व मां सीता की झांकी निकाली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय और हाटा संयोजक सक्षम तिवारी की अगुवाई में निकली शोभायात्रा जौरा, कनौरा, धनहां, बेइली, मटिहिनिया, कटेया मैनुद्दीन, पोखरभिंडा, भटवलिया, परसौनी, नोनियापट्टी, विशुनपुरा आदि गांवों का भ्रमण कर रामजानकी मंदिर जौरा बाजार पहुंची। शोभायात्रा के पहले संघ प्रचारक अंशुमान चतरुवेदी आदि ने भगवान श्री राम की पूजा अर्चना की। इस दौरान शेषनाथ मिश्रा, सुरेंद्र कुशवाहा, सुरेश उपाध्याय, नीलेश उपाध्याय, मनीष तिवारी, राकेश साहनी, बबलू राय, हिमांशु श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र के ग्राम सभा साखोपार स्थित मां दुर्गा मंदिर परिसर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ से अयोध्या में श्रीराम लाल के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा को मेहडा, सुधियान, कप्तानगंज कस्बा के चांदनी चौक, आजाद चौक, सुभाष चौक, बंदेलीगंज, लाल चौक आदि स्थानों का भ्रमण कराया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मनीष मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर में रामलाल के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शोभा यात्रा निकाली गई है। मंदिर में 24 घंटे तक कीर्तन का पूजा पाठ का आयोजन किया गया है। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक विनय प्रकाश गोड, आनंद मिश्र, रविंद्र गौड़, रंजीत कन्नौजिया, ओमप्रकाश तिवारी, कन्हैया मौर्य आदि मौजूद रहे। अयोध्या में भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर सोमवार को शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुआ। इसके लिए क्षेत्र में शोभा यात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा हफुआजीवन, हफुआं चर्तुभुज, बलराम और रमैना गांव का भ्रमण कर पुनरू शिव मंदिर परिसर पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान शुरू हुआ। इस दौरान रोहित मिश्रा, संजय पांडेय, प्रधान रामबिलास गुप्ता, अजय चौरसिया, सुमित गुप्ता, अंकुर पांडेय, बृजमोहन वर्मा, संतोष मिश्रा, संचित वर्मा, धर्मेंद्र पांडेय, बबलू गुप्ता, आरके रज्जक आदि मौजूद रहे।

भागलपुर बिहार से अयोध्या जा रहे बाइक सवार युवकों का लोगों ने पटहेरिया में स्वागत किया। भागलपुर बिहार के अमेया के छह युवक बाइक से अयोध्या जा रहे थे। वे पटहेरिया चौराहे पर पहुंचे, तो दुकानदार समेत अन्य लोगों ने उनका स्वागत कर जलपान कराया। अयोध्या जा रहे बाइक सवार विकास साह, रविंद्र त्यागी और हरेंद्र राय ने बताया कि वे रविवार शाम की तक अयोध्या पहुंच जाएंगे। वे शुक्रवार को भागलपुर से चले थे। इस दौरान मारकंडेय शुक्ल, संतोष मद्धेशिया, गया प्रसाद गुप्ता, मनोज रौनियार, संजय राव, अभय मद्धेशिया, अजय गुप्ता आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र के किन्नरपट्टी में स्थित पतिलार माता स्थान से रविवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र प्राण—प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा को क्षेत्र में भ्रमण किया गया। इस शोभायात्रा का जगह—जगह पुष्प वर्षा कर लोगों ने स्वागत किया।

ताइक्वांडो खिलाड़ी बेल्ट प्रमोशन से हुए सम्मानित, खिले चेहरे

संवाददाता—कुशीनगर। जिला स्टेडियम में महराजगंज डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में ताइक्वांडो कलर बेल्ट टेस्ट एंड प्रमोशन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान सदर, निचलौल, घुघली, पनियरा और धानी क्षेत्र के 81 खिलाड़ियों को बेल्ट प्रमोशन देकर सम्मानित किया गया। जिला सचिव अभिषेक कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि व्हाइट टू एलो बेल्ट में सत्यम अग्रहरी, अंश वर्मा, विपिन चौधरी, पवन साहनी, प्रांजल सिंह, अनमेश प्रताप सिंह, प्रजन्य प्रताप सिंह, अभय साहनी, एंजल शिकहर, प्रीतिश प्रकाश, रुद्रांश सिंह, राहुल साहनी, अंजलि मणि त्रिपाठी, प्रिया मद्धेशिया, काजल शर्मा, नीतीश शर्मा, मान्या कुशवाहा, कृष्ण प्रताप यादव, संगम प्रजापति, उत्कर्ष कुमार साहू, साक्षी पासवान, रवि कुमार यादव, अतुल गौड़, नवनीत कुमार, आर्यन साहनी, देवेश साहनी, निष्ठा विश्वकर्मा, राजू, अमित कुमार, अनामिका, रवीना निषाद, संदीप निषाद, आदित्य प्रताप रस्तोगी, वसीम रजा, वैभव उपाध्याय, दिव्यांशु पासवान, जरीना खातून, हसनैन अली, आस्था, शिवांगी चौहान को प्रमोशन देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार एलो टू ग्रीन बेल्ट में दिग्विजय प्रताप सिंह, सांवी चौरसिया, बीरू चौहान, कृष्णा चौहान, कृष्णा, मुस्कान, श्रृष्टि, नूरआलम, प्रशांत, रंजीत, अंशिका पटेल, उपेंद्र चक्रवर्ती, ग्रीन टू ग्रीन वन बेल्ट में नीलू पांडेय, नीतू यादव, राममिलन यादव, काब्या भारती, तन्नू, कविता, आंशिक प्रजापति, ग्रीन वन टू ब्लू बेल्ट में प्रिया, चहक श्रीवास्तव, साहिल, आराध्या त्रिपाठी, रुद्र प्रताप पांडेय, राज, सौरव सिंह, प्रतिभा शर्मा, ब्लू टू ब्लू वन बेल्ट में मयंक कुमार गुप्ता, सिद्धि कनौजिया, वीर पांडेय, उत्कर्ष सिंह, हर्ष सिंह, अंजली चौधरी, रोशनी, सिद्धांत, ब्लू वन टू रेड बेल्ट में करन शर्मा, कुणाल निषाद, आशीष भारती, अनुराधा भारती एवं रेड टू रेड वन बेल्ट में आशुतोष कुमार, सलमान हुसैन को प्रमोशन देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षक महेश राजभर, रिजवान अहमद फैजी, रियाज अली, संजय सैनी, राम नारायण,फराज अहमद आदि मौजूद रहे।

खेली गई फूलों की होली , भक्ति गीतों पर झूमते रहे लोग

संवाददाता—गोण्डा। अयोध्या में भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कस्बा इटियाथोक में जगह—जगह सुंदरकांड पाठ के साथ साथ भगवान श्री राम की आरती हुई। सोमवार की सुबह से क्षेत्र के लोगो में काफी उत्साह देखने को मिला। इटियाथोक के हनुमान मन्दिर और कोतवाली इटियाथोक को दुल्हन की तरह सजाया गया था। हनुमान मन्दिर के प्रांगण में अयोध्या से लाइव प्रसारण क्षेत्र के लोगों ने देखा। लाइव प्रसारण के दौरान क्षेत्रीय विधायक विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना भैय्या मौजूद रहे। अयोध्या में भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा की मुहुर्त जैसे शुरू हुई वैसे ही कस्बा इटियाथोक में जबरदस्त आतिशबाजी और फूलों की होली खेली गई। पूरा कस्बा जय श्री राम के जयघोष से गूंज गया। क्षेत्र के लोग एक दूसरे को बधाई देने लगे। कस्बे में पूर्व प्रधान दिनेश कुमार शुक्ल और जितेंद्र मौर्य के नेतृत्व में निकली शोभा यात्रा कस्बे के विभिन्न मार्गो से होते हुए मुख्य चौराहे पर पहुंची यहां मौजूद क्षत्रीय विधायक विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना भैय्या अपने को रोक नहीं पाए और डीजे की धुन में बज रहे भक्ति संगीत में नृत्य करने लगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत खरका विकास खण्ड बनकटी -बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल ह्यूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 23.01.2024 से 29.01.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 29.01.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–अनीता देवी
ग्राम पंचायत- खरका
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–पवन कुमार पाण्डेय
ग्राम पंचायत- खरका
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /20.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

कार्यालय ग्राम पंचायत नेवारी विकास खण्ड बनकटी -बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल ह्यूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 23.01.2024 से 30.01.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 30.01.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–अभय शंकर शुक्ल
ग्राम पंचायत- नेवारी
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–पवन कुमार पाण्डेय
ग्राम पंचायत- नेवारी
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /20.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

कार्यालय ग्राम पंचायत घुघसा विकास खण्ड बनकटी -बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल ह्यूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 23.01.2024 से 31.01.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 31.01.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–शीला सिंह
ग्राम पंचायत- घुघसा
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–पवन कुमार पाण्डेय
ग्राम पंचायत- घुघसा
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /20.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

सीएम योगी बोले– मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने की खाई थी सौगंध

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में आखिर रामलला विराजमान हो गए। पूरे विधि–विधान के साथ भगवान के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसी बीच रामलला की मूर्ति की बेहद खास तस्वीरें सामने आई हैं। शृंगार युक्त मूर्ति में भगवान के पूरे स्वरूप को देखा जा सकता है। तस्वीर में रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं। योगी ने रामलला भगवान की जय बोलने के साथ भारत माता की जय और जैजै सीतारम से भाषण की शुरुआत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ष्प्रभु राम लला के भव्य, दिव्य और नव्य धाम में विराजने की आप सभी को कोटि–कोटि बधाई। मन भावुक है। सीएम योगी ने आगे कहा कि निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे, आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर नगर, हर ग्राम अयोध्या धाम है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी है। हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम–रोम में राम रमे हैं...ऐसा लगता है कि हम त्रेतायुग में आ गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि भारत का हर मार्ग रामजन्मभूमि की ओर आ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। बहुसंख्यक समाज ने लंबी लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री सीएम योगी ने कहा कि 500 वर्षों के सुदीर्घ अंतराल के बाद आए प्रभु श्री रामलला के विग्रह की प्राण–प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर आज पूरा भारत भाव–विभोर और भाव विह्वल है। श्री अवधपुरी में श्री रामलला का विराजना भारत में श्रामराज्यश की स्थापना की उद्घोषणा है। सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती की परिकल्पना साकार हो उठी है। सीएम योगी ने कहा कि रामकृपा से अब कभी कोई भी श्री अयोध्या धाम की पारंपरिक परिक्रमा को बाधित नहीं कर सकेगा। यहां की गलियों में गोलियां नहीं चलेंगी, सरयू जी रक्त रंजित नहीं होंगी। अयोध्या धाम में कर्फ्यू का कहर नहीं होगा। यहां उत्सव होगा। रामनाम संकीर्तन गुंजायमान होगा। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में त्रेतायुग उतर आया है। प्रभुराम की कृपा से अयोध्या की गलियों में गोलियां नहीं गूंजेंगी। कर्फ्यू नहीं लगेगा। यहां दीपोत्सव हुआ करेंगे। जैजै सियाराम बोलकर योगी ने अपना भाषण खत्म किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर मन में राम नाम हैं। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगा है। हर जिह्वा राम–राम जप रही है। रोम रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं। आज रघुनन्दन राघव रामलला, हमारे हृदय के भावों से भरे संकल्प स्वरूप सिंहासन पर विराज रहे हैं। आज हर रामभक्त के हृदय में प्रसन्नता है, गर्व है और संतोष के भाव हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आखिर भारत को इसी दिन की तो प्रतीक्षा थी। भाव–विभोर कर देने वाली इस दिन की प्रतीक्षा में लगभग पांच शताब्दियाँ व्यतीत हो गईं, दर्जनों पीढियां अधूरी कामना लिए इस धराधाम से साकेतधाम में लीन हो गईं, किन्तु प्रतीक्षा और संघर्ष का क्रम सतत जारी रहा। श्रीरामजन्मभूमि, संभवतः विश्व में पहला ऐसा अनूठा प्रकरण रहा होगा, जिसमें किसी राष्ट्र के बहुसंख्यक समाज ने अपने ही देश में अपने आराध्य के जन्मस्थली पर मंदिर निर्माण के लिए इतने वर्षों तक और इतने स्तरों पर लड़ाई लड़ी हो। आगे कहा कि सन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति–पाँति, विचार– दर्शन, उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया। अंततः आज वह शुभ अवसर आ ही गया कि जब कोटि–कोटि सनातनी आस्थावानों के त्याग और तप को पूर्णता प्राप्त हो रही है। आज संतोष इस बात का भी है कि मंदिर वहीं बना है, जहाँ बनाने का संकल्प लिया था। सीएम ने आगे कहा कि संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की समाप्ति के लिए, हमारे संकल्प पूर्णता के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हृदय से आभार और अभिनंदन। अभी गर्भगृह में वैदिक विधि–विधान से रामलला के बाल विग्रह के प्राण–प्रतिष्ठा के हम सभी साक्षी बने। अलौकिक छवि है हमारे प्रभु की। बिल्कुल वैसे, जैसा संत तुलसीदास जी ने वर्णन किया है। धन्य है वह शिल्पी, जिसने हमारे मन में बसे राम की छवि को मूर्त रूप प्रदान किया। विचारों और भावनाओं की विह्वलता के बीच मुझे पूज्य संतों और अपनी गुरु परम्परा का पुण्य स्मरण हो रहा है। आज उनकी आत्मा को असीम संतोष और आनन्द की अनुभूति हो रही होगी, जिन परम्पराओं की पीढ़ियां श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ में अपनी आहुति दे चुकी हैं, उनकी पावन स्मृति को यहां पर कोटि–कोटि नमन करता हूँ।

यूपी सीएम ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति महायज्ञ न केवल सनातन आस्था व विश्वास की परीक्षा का काल रहा, बल्कि, संपूर्ण भारत को एकात्मकता के सूत्र में बांधने के लिए राष्ट्र की सामूहिक चेतना जागरण के ध्येय में भी सफल सिद्ध हुआ। सदियों के बाद भारत में हो रहे इस चिरप्रतिक्षित नवविहान को देख अयोध्या समेत भारत का वर्तमान आनन्दित हो उठा है। सीएम ने आगे कहा कि भाग्यवान है हमारी पीढ़ी जो इस राम–काज के साक्षी बन रहे हैं और उससे भी बड़भागी हैं वो जिन्होंने सर्वस्व इस राम–काज के लिए समर्पित किया है और करते चले जा रहे हैं। जिस अयोध्या को ष्अवनि की अमरावतीष और ष्धरती का वैकुंठष कहा गया, वह सदियों तक अभिशिप्त रही। उपेक्षित रही। सुनियोजित तिरस्कार झेलती रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पददलित होती रही, चोटिल होती रही। किंतु राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाये रखा। लेकिन हर एक नए दिन के साथ हमारा संकल्प और दृढ़ होता गया। और आज देखिए... पूरी दुनिया अयोध्या जी के वैभव को निहार रही है। हर कोई अयोध्या आने को आतुर है।

कार्यालय ग्राम पंचायत महथा विकास खण्ड बनकटी -बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल ह्यूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 23.01.2024 से 01.02.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 01.02.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–शाह उस्मान
ग्राम पंचायत- महथा
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–पवन कुमार पाण्डेय
ग्राम पंचायत- महथा
विकास खण्ड बनकटी, बस्ती

पत्रांक मेमो /20.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

सीय राम मय सब जग जानी, विदेशों में भी गूंज

संवाददाता–गोरखपुर। रामनाम की धूम सिर्फ अपने देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में है। एशियाई देश हों या फिर यूरोपीय। हर जगह रामनाम की धूम है। हर जगह शोभा यात्रा तो निकल ही रही है साथ ही प्रभुराम का नाम भी गूंज रहा है। फ्रांस में रहने वाले गोरखपुर आवास विकास के नर्वदेश्वर पाण्डेय बताते हैं कि उनकी हाउसिंग सोसायटी में 30 फीसदी लोग भारतीय हैं। सभी ने मिलकर प्रभुराम की प्राण प्रतिष्ठा को यादगार बनाने के लिए शोभा यात्रा निकाली। सबसे अच्छी बात तो यह कि प्रभु राम की शोभा यात्रा में फ्रांस के स्थानीय नागरिक भी बढ़कर शामिल हुए और रामभजन भी गुनगुनाया। फ्रांस के स्टेफन गार्डेन सोसायटी में रहने वाले वरुण बताते हैं कि उन्हें काफी दुख है कि वह इस ऐतिहासिक घड़ी में अपने देश में नहीं हैं लेकिन खुशी इस बात की है हमारे रामनाम की गूंज यहां तक है। यहां भी शोभा यात्रा निकल रही है और सीताराम के जयकारे लग रहे हैं। अमेरिका के न्यू जर्सी में रहने वाली विकासनगर की आकांक्षा बताती हैं कि उन्होंने अपनी सोसायटी में इसके पहले इस कदर भक्ति नहीं देखी। प्रभुराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हमारी सोसायटी में जिसकर लोगों में आस्था आई है वह हैरान करने वाली है। यहां पिछले एक सप्ताह से आरती और भजन का कार्यक्रम बदस्तूर जारी है। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भारतीय समयानुसार यहां प्रसाद वितरण कार्यक्रम रखा गया है। अमेरिका में साफ्टवेयर इंजीनियर बेतियाहाता निवासी सीके दास बताते हैं कि यहां 200 से अधिक मंदिरों में खास आयोजन हो रहे हैं। न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी में रविवार को रात में कार रैली निकाली गई। टाइम्स स्क्वायर समेत मंदिरों में प्राण–प्रतिष्ठा का लाइव टेलीकास्ट होगा। ब्रिटेन में हिंदुओं ने दिवाली जैसी तैयारियां की हैं। यहां के भी दर्जनों मंदिरों में श्रीराम विजयोत्सव मनाया जाएगा। हर घर दीपक जलाए जाएंगे। दुबई में भारतीय प्राण–प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखेंगे। राम मंदिर का होलोग्राफिक डिस्प्ले किया जाएगा। यूरोप के कई देशों में भी उत्साह है। नीदरलैंड्स में राम मंदिर के चित्र वाले डाक टिकट जारी किए गए हैं।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राघवेन्द्र सिंह पुत्र श्रीराम कमल सिंह ग्राम सैफाबाद पोस्ट– डिगरापुर थाना– कलवारी जनपद बस्ती का निवासी है। मेरा एक किता विक्रय विलेख जो दिनांक 05.11.2011 सुरेश चन्द्र व उमेश चन्द्र पुत्रगण द्वारिका प्रसाद व शिवकुमार लाल, विष्णु भगवान व केदार नाथ पुत्रगण परमानन्द लाल द्वारा राजकुमार व राजेश कुमार पुत्रगण रामकृपाल सोनी के पक्ष में निष्पादित की गयी थी। जो मकान नं. 305 मौजा बभनगॉव वार्ड नं. 8 तहसील व जिला बस्ती रकबा 3032 वर्ग फुट से सम्बन्धित थी, जिसका इन्दराज बुक सं. 1 जिल्द सं. 4890 पृष्ट 207–260 दस्तावेज सं. 5110 जो उपनिबन्धक बस्ती कार्यालय में दर्ज है। घर से फोटो स्टेट के लिए ले जाते समय कहीं गिर गया है। उपरोक्त सम्पत्ति बजाज फाइनेन्स के पक्ष में बंधक की जा रही है। जिस किसी को इस विषय में कोई आपत्ति हो तो बजाज फाइनेंस के अधिवक्ता संजय कुमार सिंह को मो. न. 8840733100 पर प्रकाशन से 7 दिनों में आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

नमामि गंगे ने वेदपाठी बटुकों संग किया सुंदरकांड पाठ

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सोमवार को नमामि गंगे के सदस्यों के साथ महर्षि योगी विद्याश्रम सिद्धेश्वरी के वेदपाठी बटुकों ने सुंदरकांड से भव्य मंदिर में विराजे रघुनंदन का अभिनंदन किया। भगवान श्रीराम के भक्त हनुमान की आराधना करके प्रभु श्रीरामलला का अभिनंदन किया गया।

विद्वान पंडितों के साथ वेदपाठी बटुकों ने विधिवत सुंदरकांड का पाठ किया और देश की सुख–शांति और समृद्धि के साथ देश की तरक्की के लिए कामना और प्रार्थना की। भव्य सुंदरकांड का समापन यज्ञ और श्रीराम व हनुमान जी की आरती के साथ हुआ। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि प्रभु श्रीराम और प्रभु हनुमान से देश की जनता की खुशी और बेहतर स्वास्थ्य, देश और प्रदेश की तरक्की के लिए सुंदरकांड का पाठ किया गया।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण और भगवान श्रीराम के विराजमान होने से पूरे देश के श्रीराम भक्तों में खुशी की लहर है। महर्षि योगी विद्याश्रम के प्रबंधक श्रीसंत केशरी ने कहा कि महर्षि योगी ने भी राम मंदिर निर्माण का सपना संजोया था जो आज पूरा हुआ।

आयोजन में प्रमुख रूप से नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला, प्रबंधक सीसंत केशरी, आचार्य पं. राकेश मिश्रा, प्रभारी सुनील श्रीवास्तव सहित वेदपाठी बटुक शामिल रहे।

खोराबार आवासीय योजना में आवास की इच्छा रखने वाले को मिला मौका

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से लांच की गई खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना के अंतर्गत मेडिसिटी के लिए नए सिरे से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पहले चरण में टाउनशिप के लगभग सभी भूखंड बुक हो चुके हैं। मेडिसिटी में भूखंडों का आकार अधिक होने के कारण बहुत कम लोगों ने रुचि दिखाई है। लोगों की मांग के अनुरूप भूखंडों का आकार कम कर नए सिरे से पंजीकरण के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। इसके लिए 21 जनवरी से 20 फरवरी तक जीडीए की वेबसाइट पर आवेदन किया जा सकता है। मेडिसिटी में जीडीए की ओर से क्लीनिक लेन, छोटे, मध्यम एवं बड़े आकार के अस्पताल व डाइग्नोस्टिक लैब के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। डाक्टरों की ओर से अस्पतालों के लिए भूखंडों का आकार बड़ा होने के कारण रुचि नहीं दिखाई गई। बड़ा होने से कीमत भी अधिक रही। इस बार क्लीनिक लेन की संख्या 46 है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी उमेश चन्द्र श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री साधूशरण लाल नई कालोनी बैरियहवां थाना–कोतवाली जनपद बस्ती उ.प्र. का निवासी है। मेरा एक पर्स जिसमें मेरा पैन कार्ड, गाड़ी नं. यू.पी. 51 AW6401 का कागजात, मेरे माता–पिता का फोटो एवं अन्य जरूरी कागजात एवं लगभग दो हजार रूपया भद्रेश्वरनाथ मंदिर, आवास विकास और घर के बीच गत 26 दिसम्बर 2023 को कहीं गुम हो गया है। यदि किसी को मिले तो मेरे पते पर पहुंचा दे या मोबाइल नम्बर 738851336 पर सूचना देकर सहयोग करें।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com